

पाठ

प्रथम सत्र (1 से 20 तक)

मुहावरे

सामान्य अर्थ से हटकर कुछ विशेष अर्थ देने वाले वाक्यांशों को मुहावरे कहते हैं। ये भाषा को सरल व रोचक बनाकर एक चुटीलापन देते हैं।

जैसे- आँखों में धूल झोंकना (किसी को धोखा देना), नौ दो ग्यारह होना (भाग जाना) आदि।

मुहावरों के प्रयोग में सावधानी-

(क) मुहावरों का प्रयोग कभी शाब्दिक अर्थ में नहीं किया जाता है।

(ख) मुहावरे में आए शब्दों का प्रयोग ज्यों-का-त्यों किया जाता है। उसकी जगह समान अर्थ वाले शब्दों का प्रयोग करके नहीं; जैसे- आँखें दिखाना की जगह नेत्र दिखाना नहीं लिखा जा सकता।

कुछ प्रमुख मुहावरे, उनके अर्थ तथा वाक्य प्रयोग-

1. अंग-अंग मुसकाना (बहुत खुश होना)- जब उसने भाषण प्रतियोगिता में प्रथम आने की बात सुनी तो उसका अंग-अंग मुसकाने लगा।
2. अंग-अंग ढीला होना (बहुत थक जाना)- सुबह से शाम तक काम करने पर माँ का अंग-अंग ढीला हो जाता है।
3. अंगारे उगलना (गुस्से में बुरा-भला कहना)- आजकल लोग छोटी-छोटी बातों पर ही अंगारे उगलते हैं।
4. अँगूठा दिखाना (साफ़ मना कर देना)- रमन अक्सर रजत को अपनी चीज़ें दे देता था, लेकिन एक दिन जब उसने रजत से उसका बल्ला माँगा, तब उसने उसे अँगूठा दिखा दिया।
5. आँखों में धूल झोंकना (धोखा देना)- ठग आसानी से भोले-भाले व्यक्तियों की आँखों में धूल झोंक देते हैं।
6. अपना उल्लू सीधा करना (अपना मतलब निकालना/अपनी ही भलाई चाहना)- आज के जमाने में किसी को दूसरों से मतलब नहीं है, सभी अपना उल्लू सीधा करने में लगे हैं।
7. अक्ल का दुश्मन होना (बेवकूफ़ होना)- वह तो अक्ल का दुश्मन है, अपने भले की बात उसे बुरी लगती है।
8. आसमान सिर पर उठाना (बहुत अधिक शोर मचाना)- कक्षा के कुछ शैतान बच्चे अध्यापक के सामने आसमान सिर पर उठा लेते हैं।
9. आसमान से बातें करना (बहुत ऊँचा होना)- दुबई की बुर्ज खलीफ़ा सहित कई इमारतें आसमान से बातें करती हैं।
10. ईद का चाँद होना (बहुत दिनों बाद दिखाई देना)- जब से जतिन ने अपने पिता जी के साथ फैक्ट्री जाना शुरू किया है, वह तो ईद का चाँद हो गया है।



11. ईट का जवाब पत्थर से देना (मुँहतोड़ जवाब देना) - हमारी सेना ने सदा से ही शत्रु सेना को ईट का जवाब पत्थर से दिया है।

12. उल्टी गंगा बहाना (नियम के एकदम खिलाफ़ काम करना) - नाश्ता करने के बाद कसरत व योगासन करने से नुकसान होगा। ऐसा करके उल्टी गंगा मत बहाओ।

13. एक आँख से देखना (सबके साथ समान व्यवहार करना) - माता-पिता, गुरुजन आदि अपने बच्चों को एक आँख से देखते हैं।

14. एक और एक ग्यारह (एकता में बल होना) - समूह में काम करने से सफलता अवश्य मिलती है क्योंकि एक और एक ग्यारह होते हैं।

15. कमर कसना (पूरी तरह तैयार होना) - परीक्षा में अच्छे अंक लाना नामुमकिन नहीं है, लेकिन इसके लिए कमर अवश्य कसनी पड़ती है।

16. कान भरना (किसी की चुगली करना) - हमें ऐसे लोगों से मित्रता नहीं करनी चाहिए, जो बेवजह कान भरते हैं।

17. खून खौलना (बहुत अधिक गुस्सा आना) - उसके अंदर ज़रा-सी भी सहनशीलता नहीं है। ज़रा-सी बात पर उसका खून खौलने लगता है।

18. गढ़े मुर्दे उखाड़ना (पुरानी बातें याद करना) - गढ़े मुर्दे उखाड़ने से कोई फ़ायदा नहीं, हमें वर्तमान में ही जीने का प्रयास करना चाहिए।

19. गाँठ बाँध लेना (सीख मान लेना) - बड़ों की बातें जीवन के लिए बहुत उपयोगी होती हैं। हमें उन्हें गाँठ बाँध लेना चाहिए।

20. घड़ों पानी पड़ना (शर्मिदा होना) - बिना टिकट यात्रा करते पकड़े जाने पर उस सूट-बूट पहने युवक पर घड़ों पानी पड़ गया।

21. घुटने टेकना (हार स्वीकार करना) - हमें मशिकल हालातों के आगे घुटने नहीं टेकने चाहिए।